BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

कक्षा -आठवीं

विषय - हिंदी

दिनांक 28. 12 2020 से 31.12..2020तक

उपविषय - समास

सहायक सामग्री -

https://www.youtube.com/watch?v=OgGpbOwENfA

पाठ योजना

विशिष्ट उद्देश्य - * भाषा कौशल का विकास |

*** समास व संधि में अंतर |**

कालांश १

समास का तात्पर्य होता है – संक्षिप्तीकरण । इसका शाब्दिक अर्थ होता है छोटा रूप। जब दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर जो नया और छोटा शब्द बनता है उस शब्द को समास कहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जहाँ पर कम-से-कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रकट किया जाए वह समास कहलाता है।

संस्कृत, जर्मन तथा बहुत सी भारतीय भाषओं में समास का बहुत प्रयोग किया जाता है। समास रचना में दो पद होते हैं, पहले पद को 'पूर्वपद' कहा जाता है और दूसरे पद को 'उत्तरपद' कहा जाता है। इन दोनों से जो नया शब्द बनता है वो समस्त पद कहलाता है।

जैसे :-

- रसोई के लिए घर = रसोईघर
- हाथ के लिए कड़ी = हथकड़ी
- नील और कमल = नीलकमल
- राजा का पुत्र = राजपुत्र |

समास विग्रह :

सामासिक शब्दों के बीच के सम्बन्ध को स्पष्ट करने को समास – विग्रह कहते हैं। विग्रह के बाद सामासिक शब्द गायब हो जाते हैं जब समस्त पद के सभी पद अलग – अलग किए जाते हैं उसे समास-विग्रह कहते हैं।

तत्पुरुष समास क्या होता है :- इस समास में दूसरा पद प्रधान होता है। यह कारक से जुदा समास होता है। इसे बनाने में दो पदों के बीच कारक चिन्हों का लोप हो जाता है उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।

तत्पुरुष समास :

इस समास में आप को कारक से शब्दोंको अलग करना होगा. जिन सामासिक शांदों का दूसरा शब्द प्रधान हो तथा कारकों की विभक्तियाँ लुप्त हो उन्हें तत्पुरुष समास कहते है.

कारक चिन्ह:

कर्ता	ने	संबंध	का, को, के
कर्म	को	संप्रदान	के लिए
करण	से	संबोधन	अरे, अरि
अपादान	अपादान	अधिकरण	में, पर

जैसे :-

- देश के लिए भक्ति = देशभक्ति
- राजा का पुत्र = राजपुत्र
- राह के लिए खर्च = राहखर्च
- तुलसी द्वारा कृत = तुलसीदासकृत
- राजा का महल = राजमहल
- राजा का कुमार = राजकुमार
- वनगमन =वन को गमन
- स्वर्गप्राप्त = स्वर्ग को प्राप्त
- देशगत = देश को गया हुआ
- जनप्रिय = जन को प्रिय
- मदांध = मद से अँधा
- रसभरा = रस से भरा
- भयाकुल = भय से आकुल
- आँखोंदेखी = आँखों से देखी
- तुलसीकृत = तुलसी द्वारा रचित
- रोगातुर = रोग से आतुर
- पर्णकुटीर = पर्ण से बनी कुटीर
- कर्मवीर = कर्म से वीर
- रक्तरंजित = रक्त से रंजित
- रोगग्रस्त = रोग से ग्रस्त
- गुणयुक्त = गुणों से युक्त
- विद्यालय = विद्या के लिए आलय
- रसोईघर = रसोई के लिए घर
- सभाभवन = सभा के लिए भवन
- विश्रामगृह = विश्राम के लिए गृह

- गुरुदक्षिणा = गुरु के लिए दक्षिणा
- प्रयोगशाला = प्रयोग के लिए शाला
- देशभक्ति = देश के लिए भक्ति
- स्नानघर = स्नान के लिए घर
- सत्यागृह = सत्य के लिए आग्रह
- यज्ञशाला = यज्ञ के लिए शाला
- डाकगाड़ी = डाक के लिए गाड़ी
- देवालय = देव के लिए आलय
- गौशाला = गौ के लिए शाला
- युद्धभूमि = युद्ध के लिए भूमि
- हथकड़ी = हाथ के लिए कड़ी
- धर्मशाला = धर्म के लिए शाला
- पुस्तकालय = पुस्तक के लिए आलय
- राहखर्च = राह के लिए खर्च
- परीक्षा भवन = परीक्षा के लिए भवन
- कार्य कुशल = कार्य में कुशल
- वनवास = वन में वास
- ईस्वरभक्ति = ईस्वर में भक्ति
- आत्मविश्वास = आत्मा पर विश्वास
- दीनदयाल = दीनों पर दयाल
- दानवीर = दान देने में वीर
- आचारनिपुण = आचार में निपुण
- जलमग्न = जल में मग्न
- सिरदर्द = सिर में दर्द
- क्लाकुशल = कला में कुशल
- शरणागत = शरण में आगत

- आनन्दमग्न = आनन्द में मग्न
- आपबीती = आप पर बीती
- नगरवास = नगर में वास
- रणधीर = रण में धीर
- क्षणभंगुर = क्षण में भंगुर
- पुरुषोत्तम = पुरुषों में उत्तम
- लोकप्रिय = लोक में प्रिय
- गृहप्रवेश = गृह में प्रवेश
- युधिष्ठिर = युद्ध में स्थिर
- शोकमग्न = शोक में मग्न

कक्षा गतिविधि - समास का अभ्यास |

द्विगु समास :- द्विगु समास में पूर्वपद संख्यावाचक होता है और कभी-कभी उत्तरपद भी संख्यावाचक होता हुआ देखा जा सकता है। इस समास में प्रयुक्त संख्या किसी समूह को दर्शाती है किसी अर्थ को नहीं। इससे समूह और समाहार का बोध होता है। उसे द्विगु समास कहते हैं।

जैसे :-

- नवग्रह = नौ ग्रहों का समूह
- दोपहर = दो पहरों का समाहार
- त्रिवेणी = तीन वेणियों का समूह
- पंचतन्त्र = पांच तंत्रों का समूह
- त्रिलोक = तीन लोकों का समाहार
- शताब्दी = सौ अब्दों का समूह
- पंसेरी = पांच सेरों का समूह
- सतसई = सात सौ पदों का समूह
- चौगुनी = चार गुनी

- त्रिभुज = तीन भुजाओं का समाहार
- चौमासा = चार मासों का समूह
- नवरात्र = नौ रात्रियों का समूह
- अठन्नी = आठ आनों का समूह
- सप्तऋषि = सात ऋषियों का समूह
- त्रिकोण = तीन कोणों का समाहार
- सप्ताह = सात दिनों का समूह
- तिरंगा = तीन रंगों का समूह

कक्षा गतिविधि - समास का अभ्यास |

वनवास में कौन-सा समास है ?

द्वंद्व कर्मधारय अव्ययीभाव तत्पुरुष

: देशप्रेम में कौन सा समास है ?

तत्पुरुष द्विगु बहुव्रीहि अव्ययीभाव

कन्यादान में कौन-सा समास है ?

तत्पुरुष द्विगु कर्मधारय द्वंद्व

त्रिलोचन में कौन सा समास है ?

बहुव्रीहि तत्पुरुष द्वंद्व अव्ययीभाव

नवरात्र में कौन सा समास है ?

तत्पुरुष द्विगु कर्मधारय बहुव्रीहि

यज्ञशाला में कौन सा समास है ?

तत्पुरुष द्वंद्व द्विगु कर्मधारय

पापमुक्त में कौन सा समास है ?

तत्पुरुष द्वंद्व बहुव्रीहि कर्मधारय

'तिरंगा' में कौन-सा समास है ?

द्वंद्व द्विगु अव्ययीभाव तत्पुरुष

चौराहा' शब्द में कौन-सा समास है ?

कर्मधारय द्वंद्व द्विगु अव्ययीभाव

मूल्यांकन -

*** कक्षा गतिविधि पर आधारित |**

*** मौखिक लघु प्रश्नों द्वारा अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन |**